झारखंड बजट विश्लेषण

2025-26

झारखंड के वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर ने 3 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए झारखंड का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (मौजूदा कीमतों पर) 5,56,286 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 10% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 1,36,653 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% अधिक है। इसके अलावा राज्य को 8,747 करोड़ रुपए का कर्ज भी चुकाना होगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 1,25,400 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 13% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 2.6% (14,517 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 2.3% (11,864 करोड़ रुपए) था।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 2% (11,253 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। 2024-25 में, संशोधित अनुमान के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.3% होने की उम्मीद है जो 2% के बजटीय अनुमान से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **उच्च शिक्षा**: उच्च शिक्षा में शोध को बढ़ावा देने के लिए सरकार झारखंड स्टूडेंट रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी, 2025 पेश करेगी। कौशल और फिन-टेक के लिए दो विश्वविद्यालय भी स्थापित किए जाएंगे।
- **कौशल विकास**: राज्य में युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौशल विकास मिशन हेतु 585 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
- **पशुपालन**: पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को 255 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसके तहत 79,000 लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

अत्रि प्रसाद राउत
atri@prsindia.org

19 मार्च, 2025

झारखंड की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में झारखंड की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 7.5% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में 2023-24 में भारत की जीडीपी 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में कृषि क्षेत्र में 7.3% (स्थिर कीमतों पर) की वृद्धि का अनुमान है, जबकि 2022-23 में 5.4% की वृद्धि हुई थी। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 2023-24 में 5.2% की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह दर 3.5% थी। सेवा क्षेत्र में 2022-23 में 12.2% की तुलना में 2023-24 में 8.7% की वृद्धि का अनुमान है।
- 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का झारखंड की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 23%, 33% और 44% योगदान देने का अनुमान है (मौजूदा कीमतों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में झारखंड की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 1,15,960 रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2022-23 की तुलना में 9.1% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: झारखंड में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

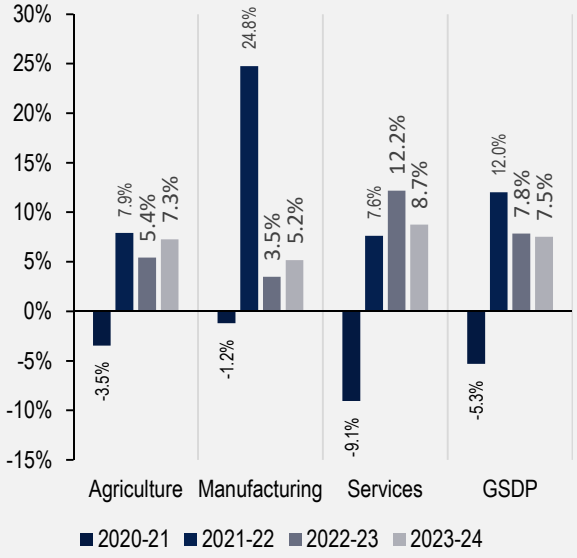

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25); पीआरएस।

2025-26 के बजट अनुमान

- 2025-26 में 1,36,653 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण भुगतान को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% की वृद्धि है। इस व्यय को 1,25,400 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 11,253 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 13% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है।
- राज्य का अनुमान है कि 2025-26 में जीएसडीपी का 2.6% **राजस्व अधिशेष** (14,517 करोड़ रुपए) होगा, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी का 2.3% राजस्व अधिशेष होगा।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 2% (11,253 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 2.3%) से कम है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्यों के लिए राजकोषीय घाटे की सीमा जीएसडीपी के 3.5% पर निर्धारित की गई है, जिसमें से 0.5% राज्यों द्वारा बिजली क्षेत्र में सुधार के कारण है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	1,07,921	1,28,900	1,30,718	1.4%	1,45,400	11%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	6,384	8,500	8,517	0.2%	8,747	3%
शुद्ध व्यय (E)	**1,01,537**	**1,20,400**	**1,22,201**	**1.5%**	**1,36,653**	**12%**
कुल प्राप्तियां	1,03,452	1,28,900	1,30,718	1.4%	1,45,400	11%
(-) उधारियां	8,247	18,000	20,000	11%	20,000	0%
*इनमें केंद्रीय कैपेक्स लोन **	*4,581*	*4,300*	*4,500*	*5%*	*4,970*	*10%*
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**95,205**	**1,10,900**	**1,10,718**	**-0.2%**	**1,25,400**	**13%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**6,332**	**9,500**	**11,483**	**21%**	**11,253**	**-2%**
जीएसडीपी का %	1.4%	2.0%	2.3%		2.0%	
राजस्व अधिशेष	**11,252**	**18,968**	**11,864**	**-37%**	**14,517**	**22%**
जीएसडीपी का %	2.4%	4.0%	2.3%		2.6%	
प्राथमिक घाटा	**-507**	**2,445**	**4,330**	**77%**	**4,899**	**13%**
जीएसडीपी का %	-0.1%	0.5%	0.9%		0.9%	
जीएसडीपी	4,61,010	4,70,104	5,06,356	8%	5,56,286	10%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 1,10,637 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला खर्च शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 22,621 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 18% अधिक है। यह वृद्धि शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति, तथा जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों पर अधिक परिव्यय के कारण है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है। 2024-25 में पूंजीगत परिव्यय पर संशोधित व्यय बजट से 20% कम होने का अनुमान है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 3,396 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 27% कम है।

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना पर व्यय

इस योजना के तहत राज्य 18 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पात्र महिलाएं 2,500 रुपए की मासिक सहायता की हकदार हैं। 2025-26 में इस योजना के लिए 13,363 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो राज्य की बजटीय राजस्व प्राप्तियों का 11% है। 2024-25 के संशोधित अनुमानों के अनुसार, राज्य को इस योजना पर 7,238 करोड़ रुपए खर्च करने की उम्मीद है, जो इसकी राजस्व प्राप्तियों का 7% है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और कर्नाटक सहित कई राज्य अब महिलाओं के लिए ऐसी नकद अंतरण योजनाएं लागू कर रहे हैं।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	76,676	91,832	98,474	7%	1,10,637	12%
पूंजीगत परिव्यय	20,570	23,987	19,096	-20%	22,621	18%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	4,291	4,581	4,631	1%	3,396	-27%
शुद्ध व्यय	**1,01,537**	**1,20,400**	**1,22,201**	**1%**	**1,36,653**	**12%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में झारखंड द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 36,782 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 29% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 16%), पेंशन (8%), और ब्याज भुगतान (5%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 35% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया था।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	14,773	16,952	18,185	7%	20,255	11%
पेंशन	9,014	8,741	8,741	0%	10,173	16%
ब्याज भुगतान	6,839	7,055	7,152	1%	6,355	-11%
कुल	**30,626**	**32,748**	**34,079**	**4%**	**36,782**	**8%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान झारखंड के बजटीय व्यय का **75%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में झारखंड के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: झारखंड बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बअ	2024-25 संअ	2025-26 बअ	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %	बजट प्रावधान 2025-26
समाज कल्याण एवं पोषण	7,311	9,694	17,187	23,914	39%	▪ मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना के लिए 13,363 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना के लिए 3,850 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	12,574	15,194	15,078	18,076	20%	▪ सर्वशिक्षा अभियान के लिए 2,057 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	10,236	18,473	15,706	16,538	5%	▪ आबुआ आवास योजना के लिए 3,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	5,526	7,232	6,564	7,481	14%	▪ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 1,769 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ राष्ट्रीय आयुष मिशन के लिए 168 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	6,732	7,392	7,881	7,396	-6%	▪ जिला पुलिस के लिए 3,620 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	11,155	4,779	7,116	6,655	-6%	▪ उपभोक्ता सबसिडी के लिए 5,005 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	5,857	6,742	6,179	6,241	1%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के रूप में 5,300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	3,747	6,017	5,522	6,007	9%	▪ राज्य बागवानी विकास योजना के लिए 212 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि उपकरण वितरित करने के लिए 140 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	3,765	4,707	2,370	4,721	99%	▪ जलापूर्ति एवं स्वच्छता के लिए पूंजीगत परिव्यय के रूप में 4,142 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	1,816	3,285	2,334	3,425	47%	▪ शहरी स्थानीय निकायों में शहरी परिवहन प्रणाली के लिए 130 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ शहरी स्थानीय निकायों में नागरिक सुविधाओं के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**71%**	**72%**	**73%**	**75%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, झारखंड बजट दस्तावेज 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 1,25,153 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 13% अधिक है। इसमें से 61,056 करोड़ रुपए (49%) राज्य **अपने संसाधनों से जुटाएगा** और 64,097 करोड़ रुपए (51%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी (राजस्व प्राप्तियों का 38%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 14%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 47,040 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से मिलने वाले अनुदान** 17,057 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 22% अधिक है। संशोधित अनुमान चरण में, केंद्रीय अनुदान बजट अनुमानों से 18% कम होने का अनुमान है। ऐसा इसलिए है क्योंकि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत अनुदान और स्थानीय निकायों के लिए वित्त आयोग के अनुदान बजट अनुमानों की तुलना में क्रमशः 21% और 8% कम हैं।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: झारखंड का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 35,200 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान से 4% की वृद्धि है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 6.3% रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के 6.7% के संशोधित अनुमान से कम है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.1% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	28,005	34,200	33,828	-1%	35,200	4%
राज्य के स्वयं गैर कर	13,425	19,300	20,027	4%	25,856	29%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	37,352	40,338	42,557	6%	47,040	11%
केंद्र से अनुदान	9,146	16,961	13,926	-18%	17,057	22%
राजस्व प्राप्तियां	**87,928**	**1,10,800**	**1,10,338**	**-0.4%**	**1,25,153**	**13%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	7,277	100	381	281%	247	-35%
शुद्ध प्राप्तियां	**95,205**	**1,10,900**	**1,10,718**	**-0.2%**	**1,25,400**	**13%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (44% हिस्सा) होने का अनुमान है। राज्य जीएसटी राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान से 3% बढ़ने का अनुमान है।
- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण से 7% अधिक होने की उम्मीद है।
- वाहन कर और बिक्री कर/वैट से राजस्व 2025-26 में 2024-25 के संशोधित अनुमान से क्रमशः 5% और 3% अधिक होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त 2024-25 की तुलना में 2025-26 में भूराजस्व 6% अधिक होने का अनुमान है।

झारखंड का स्वयं गैर-कर राजस्व

झारखंड का गैर-कर राजस्व 2025-26 में उसकी बजटीय राजस्व प्राप्तियों का 21% होने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) के अनुसार, 2018-19 और 2023-24 के बीच राज्य का गैर-कर राजस्व 10.2% की वार्षिक दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। 2023-24 में खनन से राजस्व राज्य के कुल गैर-कर राजस्व का लगभग 80% है। 2018-19 और 2023-24 के बीच खनन से राजस्व 12.3% की वार्षिक दर से बढ़ा है। जुलाई 2024 में एक फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के राज्यों के अधिकार को बरकरार रखा। झारखंड ने कोयला, लौह अयस्क और बॉक्साइट जैसे खनिजों पर उपकर लगाने के लिए अगस्त 2024 में एक कानून पेश किया। राज्य को 2024-25 में इस उपकर के माध्यम से 1,976 करोड़ रुपए और 2025-26 में 6,400 करोड़ रुपए एकत्र होने का अनुमान है।

स्रोत: झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण (

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	12,348	15,375	15,000	-2%	15,500	3%
सेल्स टैक्स/वैट	6,949	9,121	9,000	-1%	9,305	3%
राज्य उत्पाद शुल्क	2,376	2,700	2,800	4%	3,000	7%
वाहन कर	1,756	2,350	2,290	-3%	2,400	5%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	1,468	1,450	1,500	3%	1,500	0%
भूराजस्व	1,666	1,700	1,700	0%	1,800	6%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	1,395	1,413	1,450	3%	1,600	10%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

झारखंड के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2007 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2025-26 में 14,517 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 2.6%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.3% होने की उम्मीद है। यह जीएसडीपी के 2% के बजट अनुमान से अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधारी का संचय होता है। 2025-26 में बकाया ऋण जीएसडीपी का 27% होने का अनुमान है जो 2024-25 के बजट अनुमान (27.5%) से कम है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

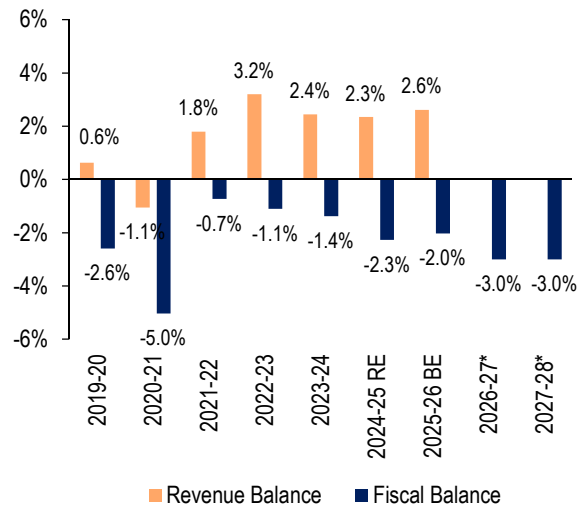

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

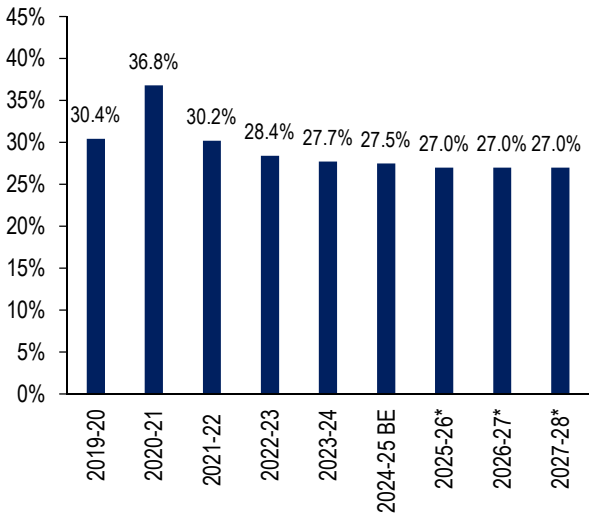

नोट: *2025-26 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। स्रोत: एफआरबीएम, झारखंड बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 मार्च 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 4,998 करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें से 51% (2,535 करोड़ रुपये) बिजली क्षेत्र के लिए है। राज्य की कुल बकाया गारंटी जीएसडीपी (2023-24) का 1.1% थी।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में झारखंड के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (झारखंड सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: झारखंड ने 2025-26 में शिक्षा पर अपने व्यय का 13.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से कम है।
- **स्वास्थ्य**: झारखंड ने 2025-26 में स्वास्थ्य पर अपने व्यय का 5.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से कम है।
- **ग्रामीण विकास**: झारखंड ने 2025-26 में ग्रामीण विकास पर अपने व्यय का 12.4% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से काफी अधिक है।
- **पुलिस**: झारखंड ने 2025-26 में पुलिस पर अपने व्यय का 5.5% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा पुलिस के लिए औसत आवंटन (4.1%) से अधिक है।
- **कृषि**: झारखंड ने 2025-26 में कृषि पर अपने व्यय का 4.5% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से कम है।
- **जलापूर्ति और स्वच्छता**: झारखंड ने 2025-26 में जलापूर्ति और स्वच्छता पर अपने व्यय का 3.5% आवंटित किया है। यह 2024-25 में राज्यों द्वारा इस क्षेत्र के लिए औसत आवंटन (2.5%) से अधिक है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

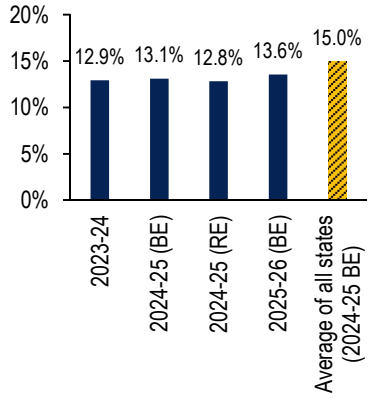

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

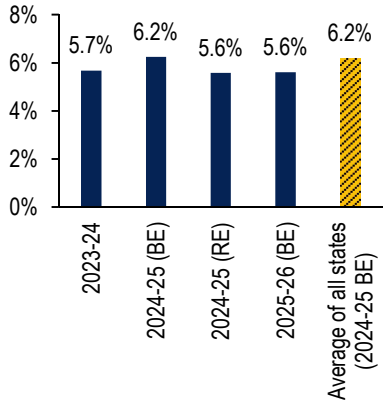

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

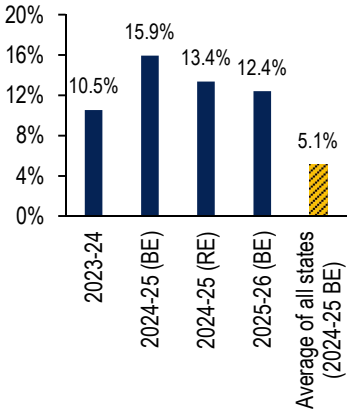

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

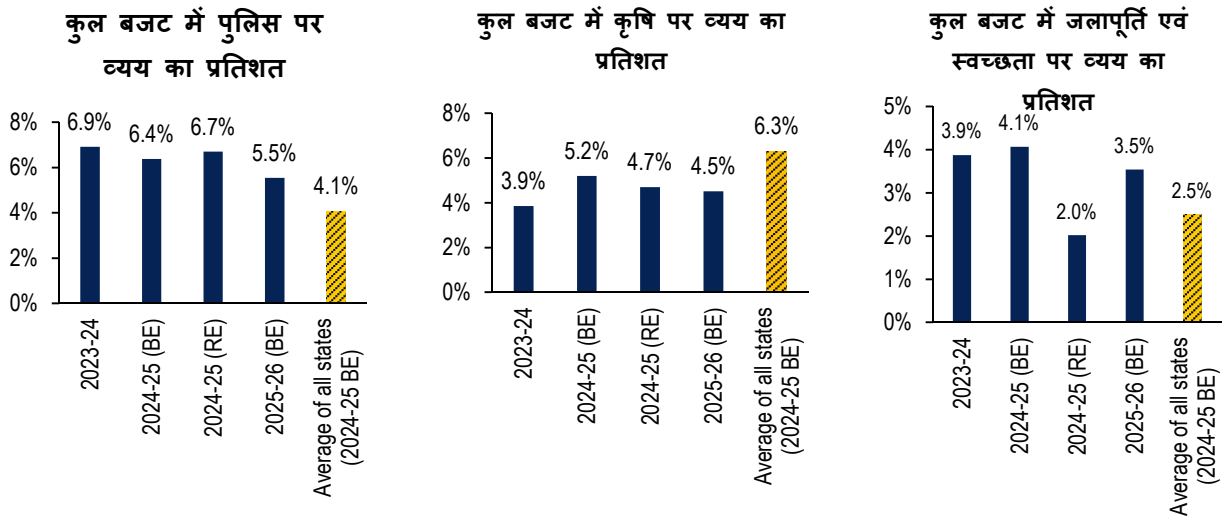

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े झारखंड के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, झारखंड बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**98,418**	**95,205**	**-3%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	98,337	87,928	-11%
क. स्वयं कर राजस्व	30,860	28,005	-9%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	17,259	13,425	-22%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	33,779	37,352	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	16,438	9,146	-44%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	81	7,277	8900%
3. उधारियां	18,000	12,716	-29%
इसमें केंद्रीय कैपेक्स लोन्स	3,400	4,581	35%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**1,10,093**	**1,01,537**	**-8%**
4. राजस्व व्यय	84,676	76,676	-9%
5. पूंजीगत परिव्यय	21,248	20,570	-3%
6. ऋण और अग्रिम	4,168	4,291	3%
7. ऋण पुनर्भुगतान	6,325	6,384	1%
राजस्व संतुलन	**13,661**	**11,252**	**-18%**
राजस्व संतुलन (जीएसडीपी का %)	3.2%	2.4%	
राजकोषीय घाटा	**11,675**	**6,332**	**-46%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	2.8%	1.4%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के झारखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
सेल्स टैक्स/वैट	8,695	6,949	-20%
राज्य जीएसटी	14,000	12,348	-12%
वाहन कर	1,800	1,756	-2%
राज्य उत्पाद शुल्क	2,360	2,376	1%
भूराजस्व	1,500	1,666	11%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	1,200	1,395	16%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	1,200	1,468	22%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के झारखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शहरी विकास	3,254	1,816	-44%
कृषि और संबद्ध गतिविधियां	5,831	3,747	-36%
ग्रामीण विकास	14,405	10,236	-29%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	7,050	5,526	-22%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	15,384	12,574	-18%
समाज कल्याण एवं पोषण	8,811	7,311	-17%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	4,393	3,765	-14%
परिवहन	6,310	5,857	-7%
जिनमें से सड़कें एवं पुल	5,848	5,684	-3%
पुलिस	7,085	6,732	-5%
एससी, एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक कल्याण	3,004	2,910	-3%
आवास	1,951	1,904	-2%
ऊर्जा	177	198	12%
शहरी विकास	3,617	11,155	208%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के झारखंड बजट दस्तावेज; पीआरएस।